जुलाई 2023

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

महंगाई बेशुमार

बेफिक्र सरकार

R.N.I. No. 68832/97

समाजवादी पार्टी ही सभी को अधिकार दिला सकती है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्याएं समाजवादी व्यवस्था से ही दूर हो सकती हैं, दूसरा और कोई रास्ता नहीं है। समाजवादी व्यवस्था ही सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ सकती है।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

जुलाई 2023

वर्ष 24 | संख्या 09

प्रिय पाठकों

आप सभी के प्यार, उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन से आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन, बदली हुई साज-सज्जा के साथ अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। हम आपके आभारी हैं कि अभी तक के सफर में हम आपकी कसौटी पर खरे उतर सके हैं। हम भरोसा दिलाते हैं कि भविष्य में भी आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृपया अपना प्यार यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

अखिलेश जी का बढ़ रहा है दायरा 22

10 कवर स्टोरी

महंगाई बेशुमार

बेफिक्र सरकार

इंडिया जिताएगा, INDIA जीतेगा 06

बंगलुरू में 17/18 जुलाई को विपक्षी दलों की साझा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी शामिल हुए। इस बैठक में 26 दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में आम राय से विपक्षी गठबंधन को INDIA यानि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस नाम दिया गया। इसका हिंदी तर्जुमा भारतीय राष्ट्रीय विकासवादी समावेशी गठबंधन होगा।

अखिलेश जी के जन्मदिन पर लोक कल्याण का संकल्प 18

पीडीए का मुकाबला नहीं कर पाएगा एनडीए 32

तब और अब

उदय प्रताप सिंह

पहले की राजनीति में मतभेद होते थे पर मनभेद नहीं होते थे। सदन में हम एक दूसरे के विचार सुनते थे, बहस भी होती थी, गर्मागर्मी भी होती थी पर अंततोगत्वा दोनों पक्ष लोकतंत्र के हित में समझौता करते थे क्योंकि हम मानते थे कि हमारी देश प्रेम की पद्धति अलग हो सकती है पर कोई दल देशद्रोही नहीं होता है। आज सत्ता दल द्वारा विरोधियों को देशद्रोही माना जाने लगा है इसलिए मैं एक संस्मरण यहां उद्धृत कर रहा हूं।

साल 2006 की बात है। राज्यसभा में किसी मुस्लिम छात्र संगठन पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव भाजपा की तरफ से लाया

गया था। हमारे नेता आदरणीय जनेश्वर मिश्र अपनी वक्तता कौशल के लिए, सत्यवादिता के लिये निर्भीकता के लिए जाने जाते थे।

उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा मैं नौजवानों के किसी संगठन पर प्रतिबंध का विरोधी हूं, मैं खुद छात्र संघ की उपज हूं। छात्रों को भी अपनी बात कहने आज़ादी है। कल यही देश के नेता होंगे। यदि किसी एक छात्र संगठन पर धर्म के आधार पर प्रतिबंध लगे तो उसी तरह के संगठन एबीवीपी और आरएसएस पर भी प्रतिबंध लगना चाहिए। यह हमें सोचना पड़ेगा।

इस बात पर सदन में भूचाल आ गया। भाजपा के सदस्यों ने इतना हंगामा किया कि पीठासीन उपसभापति को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। भाजपा की ज़िद थी कि जबतक जनेश्वर जी आरएसएस पर प्रतिबंध की बात वापस नहीं लेते वे सदन नहीं चलने देंगे।

जनेश्वर जी राज्यसभा में हमारे दल के नेता थे, मैंने उनसे निवेदन किया कि सदन तो चलना चाहिए। आप थोड़ा सा समझौता करिए। आरएसएस पर प्रतिबन्ध की बात वापस ले लीजिए। जनेश्वर जी थोड़ी नानुकुर के बाद मान गए। अतः सदन फिर शुरू हुआ। जनेश्वर जी ने कहा कि उदयप्रताप की ज़िद पर मैं अपने शब्द वापस लिए लेता हूं पर उदयप्रताप की ग़ज़ल के इस शेर के साथ वापस लेता हूं।

"इस दौर में कोई न ज़ुबां खोल रहा है
तुझको ही क्या पड़ी है कि सच बोल रहा है।"

भाजपा के सदस्य फिर भड़क गए पर सदन में वाह वाह की संख्या इतनी अधिक थी। सभापति ने निर्णय दिया जनेश्वर जी ने अपना कथन वापस ले लिया है और सुखद वातावरण से सदन चल निकला। बाद में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने मुझसे उस शेर की तारीफ की।

जयहिंद

फोटो स्रोत : गूगल

बुलेटिन ब्यूरो

बंगलुरू में 17/18 जुलाई को विपक्षी दलों की साझा बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी शामिल हुए। इस बैठक में 26 दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में आम राय से विपक्षी गठबंधन को INDIA यानि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस नाम दिया गया। इसका हिंदी तर्जुमा भारतीय राष्ट्रीय विकासवादी समावेशी गठबंधन होगा।

विपक्षी दल अब आगे बहुत जल्द महाराष्ट्र में साझा बैठक कर गठबंधन की दिशा तय करेंगे। इस बैठक में साझा कार्यक्रम व चुनाव लड़ने की अगली रणनीति पर चर्चा होगी।
विपक्षी दलों की बंगलुरु में हुई साझा
बैठक से निकले INDIA नाम से ही सत्ताधारी भाजपा गठबंधन में खलबली मच गई। जिससे यह स्पष्ट है कि विपक्षी दलों के एकजुट होने की पहल ने भाजपा को परेशान कर दिया है।
विपक्षी दलों की इस साझा बैठक में

इंडिया जिताएगा INDIA जीतेगा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को काफी अहमियत दी गई क्योंकि बैठक में शामिल सभी 26 दलों को मालूम है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा से मुकाबला करने की कूवत सिर्फ समाजवादी पार्टी में ही है। विपक्षी दलों की इस बैठक में समाजवादी पार्टी की जातीय जनगणना की मांग को भी जोरदार तरीके से उठाया गया। साझा बैठक सकारात्मक रही और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सकारात्मक राजनीति का समर्थन करते हुए पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंडिया जिताएगा और INDIA जीतेगा। उन्होंने भरोसा जताया कि INDIA से देश की राजनीति की दिशा बदलेगी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव साझा बैठक में शामिल होने के लिए 17 जुलाई को ही बंगलुरु पहुंच गए थे। उन्होंने वहां पहुंचने पर ट्वीट किया कि- कर्नाटक आना हमेशा अच्छा लगता है क्योंकि अपनी जिंदगी के कई चैप्टर यहां पढ़े हैं। अब यहां से देश का एक और एतिहासिक चैप्टर लिखेंगे। इतिहास यहां से जुड़ा है, अब भविष्य भी जुड़ेगा। बैठक वाले दिन उन्होंने साझा बैठक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा-हर कंधे पर जिम्मेदारी है, अब एक नई तैयारी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के साझा बैठक से पहले और बाद के बयानों की खूब तारीफ हो रही है क्योंकि उन्होंने सकारात्मक राजनीति को अपने बयानों, नीतियों से हमेशा ही बल दिया है।

गौरतलब है कि यूपी में भाजपा से डटकर मुकाबला कर रही समाजवादी पार्टी हमेशा ही सकारात्मक राजनीति करती है और आमजनों के हितों के लिए संघर्ष करना उसका बुनियादी उसूल है। यही वजह है कि कमरतोड़ महंगाई, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र पर हमला, अभिव्यक्ति की आजादी पर बंदिशें, व्यापारी, किसान विरोधी भाजपा की कुनीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी डटकर खड़ी है। जब भी किसी भी राजनीतिक दल ने देश को बचाने के लिए आवाज दी है, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव उसके साथ खड़े रहे हैं।

एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जब गठबंधन की बात सामने आई तो भी समाजवादी पार्टी ने इस पहल का स्वागत किया। गठबंधन के लिए विपक्षी दलों की साझा बैठक जब 23 जून को पटना में बुलाई गई तो वहां भी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शिरकत की और जनता के हित में साथ देने का भरोसा दिलाया। उसी बैठक को आगे बढ़ाने के लिए 17/18 जुलाई को बंगलुरु में बैठक बुलाई गई तो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव वहां पहुंचे और भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए

INDIA से डर रही है भाजपा

बुलेटिन ब्यूरो

विपक्षी दलों की साझा बैठक में शिरकत के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा INDIA नाम से घबरा गई है। पहले भाजपा के लोग विपक्ष को इंडिया नाम से डराते थे। अब क्या बात है कि वे INDIA नाम से डर रहे हैं। उन्होंने कहा कि INDIA नाम अच्छा है क्योंकि INDIA एक संदेश है। INDIA का संदेश डेवलपमेंट और इन्क्लूसिवनेस का है। जहां विकास और समग्रता की बात हो तो वह हमारी सोशलिस्ट व सेक्युलर प्रतिबद्धता को शामिल करता है।

श्री यादव ने कहा कि देश की जनता इस बार भाजपा की विदाई कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश की जनता को झूठा सपना दिखाया। भाजपा ने सपना दिखाया लेकिन वह सपना जमीन पर नहीं उतरा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि INDIA की जीत तभी तय हो गई जब भाजपा ने अपने गठबंधन की बैठक उसी तारीख में बुला ली। यह शाश्वत है कि जनता आने वालों का इंतजार करती है और जाने वालों की विदाई करती है। भाजपा की बैठक उनका विदाई समारोह था। उन्होंने दावत की, खाना पीना किया। श्री यादव ने भरोसा जताया कि नया गठबंधन INDIA देश को नई दिशा में ले जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा की विदाई बिल्कुल तय है क्योंकि समस्याएं जस की तस दिखाई दे रही है। बेरोजगारी, महंगाई बढ़ती जा रही है। भाजपा ने बड़ी-बड़ी बातें की। कहा गया था कि नोटबंदी से भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। कर्नाटक में जनता ने सरकार बदल दी क्योंकि वहां 40 फीसदी कमीशन का भ्रष्टाचार था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नोटबंदी देश ही नहीं दुनिया में भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा फैसला था। पहले 2000 रूपये का नोट लाए और फिर उसे बंद कर दिया। आज तक जानकारी नहीं दी गई कि किन बैंकों में 2000 रूपये के नोट सबसे ज्यादा जमा हुए। अगर सरकार यह नहीं बता रही है तो इसका मतलब वह भ्रष्टाचारियों के साथ है। सच तो यह है कि देश की दो तिहाई जनता भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ है। इस बार भाजपा का सफाया करने के लिए सब एक हैं।

डटे रहने का ऐलान किया।

विपक्षी दलों की बैठक के बाद 18 जुलाई को ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास आज के दिन को देशभक्ति और सकारात्मक राजनीति के 'बेंगलुरु आंदोलन' के दिन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा, 'देश के दो तिहाई लोग भाजपा के खिलाफ हैं और इस बार सभी भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हैं।

साझा बैठक में समाजवादी पार्टी की जातीय जनगणना की मांग पर भी चर्चा हुई जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव हमेशा उठाते रहे हैं। वह हमेशा यह कहते रहे हैं कि बिना जातीय जनगणना के वंचितों, शोषितों को उनका हक नहीं मिल सकता है। समाजवादी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में अपने घोषणा पत्र में सरकार बनने पर जातीय जनगणना कराने का वायदा भी किया था। विपक्षी दलों की बैठक में इस मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए जातीय जनगणना की मांग की गई।

महंगाई बेशुमार

बेफिक्र सरकार

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

महंगाई महसूस की जा रही है। प्लेट हल्के हो रहे हैं, महंगे हो रहे हैं। सब्जी के झोले और पॉकेट दोनों हल्के हो रहे हैं। आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हो रही। आम लोगों में महंगाई की जबरदस्त पड़ रही मार के बीच चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार के आंकड़े बता रहे हैं सबकुछ चंगा-सी! क्या वाकई लोग बेशुमार महंगाई से परेशान नहीं हैं? क्या सचमुच सबकुछ ठीक है?

ऐसा क्यों है कि सरकारी आंकड़े ज़मीनी हकीकत को बयां नहीं कर रहे हैं। इसके बजाए ये उलट कहानी क्यों कह रहे हैं? तथ्यों पर गौर करें तो 12 जुलाई 2023 को जारी सरकारी आंकड़े कहते हैं कि थोक महंगाई बीते 8 साल में सबसे कम है। इससे एक महीना पहले 12 जून को आंकड़े आए थे कि मई में खुदरा महंगाई दर 25 महीने में सबसे कम रही। आंकड़े महंगाई कम होने के रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं लेकिन महसूस की जा रही महंगाई जनता की कमर तोड़ रही है। इस विडंबना ने जनता को हैरान कर दिया है।

खुदरा महंगाई दर में खाद्य और पेय पदार्थ का वजन 54.18% होता है। इसकी महंगाई दर लगातार दो अंकों में बनी हुई है। मार्च में यह दर 15.27% के स्तर पर पहुंच गयी थी। अप्रैल और मई में भी यह क्रमश: 13.67% और 12.65% के स्तर पर बनी हुई है। आम लोगों को यह महंगाई सीधे महसूस होती है। ये तथ्य उपरोक्त विडंबना की सच्चाई को बताती है।

दूध व इसके उत्पाद फरवरी में 9.65% था जो अप्रैल में 8.85% और मई में 8.91% पर रहा। मसालों की महंगाई दर जनवरी 2023 में 21.09% तक पहुंच चुकी थी। मई 2023 में भी यह 17.9% के स्तर पर बनी हुई थी। तैयार भोजन, स्नैक्स, मिठाइयां आदि की महंगाई दर पूरे साल भर से 6% से ऊपर है। गैर खाद्य घरेलू चीजों और सेवाओं की कीमत भी बीते 12 महीने में 6 फीसदी से ऊपर है। पर्सनल केयर एंड इफेक्ट्स श्रेणी में महंगाई की दर मई में 9.2% पर रही। जाहिर है कि आम जरूरत की चीजें लगातार महंगी हो रही हैं। इसने आम लोगों का जीना मुहाल कर रखा है।

मई 2023 में महंगाई दर

अनाज व उत्पाद	12.65%
दूध व उत्पाद	8.91%
घरेलू सामान, सेवाएं	6.05%
मसाले	17.9%
पर्सनल केयर	9.92%
जनरल इंडेक्स	4.25%

सरकारी आंकड़ों को समझने का प्रयास करें तो जून 2023 में खुदरा महंगाई दर 4.81% है जो पिछले तीन महीने के उच्चतम स्तर को पार कर गयी है। खाद्य मुद्रास्फीति दर बीते महीने की तुलना में लगभग दुगुने के स्तर पर है। मई 2023 में यह 2.96% थी जबकि जून 2023 में यह बढ़कर 4.49% हो गयी। मसाले 17.9%, अनाज और उससे जुड़े उत्पाद 12.71% और दालें 10.53% महंगी हुई हैं।

एक तो महंगाई ऊपर से जीएसटी की मार

ये आंकड़े आम लोगों पर पड़ रही महंगाई की मार को बताते हैं। इसके अलावा जीएसटी ने महंगाई से मिल रहे जख्म को और गहरा कर दिया है। जीएसटी कलेक्शन 1.6 लाख करोड़ से आगे 1.87 लाख करोड़ की ऊंचाई छू रहा है। सरकार इसे सुखद आंकड़े बता रही है लेकिन यह वास्तव में आम जनता पर बढ़ते बोझ के आंकड़े हैं। महंगाई बढ़ती है तो जीएसटी के आंकड़े मजबूत होते हैं। देश के अर्थशास्त्री महंगाई और जीएसटी वसूली के आंकड़ों का अध्ययन नहीं करते। सच यह है कि जीएसटी वसूली के आंकड़े देश में बढ़ती महंगाई को प्रदर्शित करने लगे हैं।

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक मई-जून में वेज-नॉन वेज थाली की कीमत देशभर में महंगी हुई है। अप्रैल 2023 में जो वेज थाली 25.1 रुपये प्लेट थी वह अब जून में 26.3 रुपये प्लेट हो चुकीहै। नॉन वेज थाली अप्रैल में 58.3 रुपये प्लेट थी जो जून में 60 रुपये हो गयी। टमाटर, दाल, मसाले और अनाज महंगा होने से थाली महंगी हुई बतायी जा रही है।

महंगाई पर काम कम राजनीति ज्यादा

महंगाई कम कैसे हो, किस तरह आम लोगों को इससे राहत दी जाए- इस बारे में कुछ करने के बजाए सत्ताधारी दल आंकड़ों की अलग तरीके से व्याख्या करने में लगे हैं। बार-बार बताया जा रहा है कि महंगाई कम हो रही है। राजनीतिक संदेश देने के लगातार प्रयत्न किए जा रहे हैं कि महंगाई स्थायी भाव है। कोई भी सरकार महंगाई से निजात नहीं दिला सकती। हर शासनकाल में महंगाई रही है। सच होते हुए भी इसमें सबसे बड़ा झूठ यह है कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि सरकार ने महंगाई नियंत्रित करने के प्रयास छोड़ दिए हों। इन दिनों महंगाई नियंत्रण के प्रयास की चर्चा ही नहीं होती।

ताजा आंकड़ों में देखें तो जून में खुदरा महंगाई दर 4.81% रही जो मई में 4.25% के मुकाबले अधिक है। इस पर चिंता जताने के बजाए सत्ता में बैठे लोग यह बताने लगते हैं कि बीते साल जून में महंगाई दर 7.01% थी और इस तरह यह राहत की बात है। जब बीते साल महंगाई की चर्चा हो रही थी तब सत्तानशीं लोगों का तर्क था कि दुनिया में महंगाई ज्यादा है और हमारे देश में कम है। हालांकि तब भी वह सही तस्वीर नहीं थी। दुनिया के शीर्ष देशों में भारत महंगाई के मामले में टॉप के देशों में शुमार था। आज अब दुनिया में महंगाई से तुलना की थ्योरी गायब है।

महंगाई का आलम यह है कि 500 रुपये के नोट भी अब सब्जी की दुकान पर हल्के हो गये हैं। चंद रोजमर्रा की सब्जियों के भाव पर नजर डाल लें तो पता चल जाता है कि सब्जी की दुकान से लौटते समय हमारी थैली हल्की क्यों होती चली जा रही है।

सब्जी का भाव

टमाटर	160
धनिया	200
ब्रोकली	480
मिर्च	200
लहसुन	200
परवल	80
अरबी	80
भिंडी	70

(₹ प्रति किलो)

रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम भी मोदी सरकार में बहुत तेजी से बढ़े हैं। पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर, आटा, चावल और दूध के दामों की तुलना 2014 से करें तो आम लोगों के किचन पर बढ़े बोझ को आसानी से समझा जा सकता है।

दरों में बीते नौ वर्षों में तुलनात्मक वृद्धि

	2014	2023
पेट्रोल	72.26रु/लीटर	96.72रु/लीटर
डीजल	55.49रु/लीटर	89.62रु/लीटर
गैस सिलेंडर	414 रु	1150 रु
आटा	22.62रु/किलो	34.62रु/किलो
चावल	27.48रु/किलो	39.43रु/किलो
दूध	36.71रु/ली	57.29रु/ली

ये महंगाई मारक क्यों है?

ये महंगाई आम लोगों पर मारक क्यों है? महंगाई दर जहां सालाना 7% है वहीं क्रयशक्ति में सालाना बढ़ोतरी महज 4.4% है। न तो महंगाई की दर का अनुमान और न ही क्रयशक्ति का अनुमान वास्तविक है। ये सरकारी आंकड़े हैं और जमीनी हकीकत को पूरी तरह बयान करने में असमर्थ हैं। हालांकि किसी भी अनुमान के लिए यही आधारभूत आंकड़े भी हैं।

क्रय शक्ति का सीधा संबंध रोजगार से होता है। सीएमआईई के आंकड़े कहते हैं कि मार्च में खत्म हुई तिमाही में 39 लाख लोग श्रमबल में शामिल हुए। बीते वर्ष के मुकाबले इस तिमाही में 0.3% की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़ा इस मायने में जरूर बेहतर है कि हर साल औसतन 47.5 लाख लोग श्रम बल में शामिल हो रहे हैं। मगर, यह आंकड़ा चिंताजनक है कि 2017 और 2022 के बीच श्रमबल दर 46% से गिरकर 40% पर आ गया। 2.1 करोड़ लोग श्रमबल से बाहर हो गये। रोजगार के लिए योग्य आबादी का महज 9 फीसदी ही या तो रोजगार में है या फिर रोजगार की खोज में। बिना काम के सुस्त हुई आबादी महंगाई की मार झेलें तो कैसे झेलें। जो रोजगार में हैं वे अपने आश्रितों का भरण पोषण इस महंगाई में करें तो कैसे करें?

थोक महंगाई दर लगातार तीन महीने से नकारात्मक है। इसके एक मायने यह हैं कि बाज़ार में खर्च करने की क्षमता और इच्छा में कमी आयी है। दूसरा मतलब यह है कि यह बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिहाज से कीमत स्थिर करने में मदद करने वाली स्थिति है। हम दोनों मतलब निकाल सकते हैं लेकिन जब खुदरा महंगाई दर से इसकी तुलना करते हैं तो अप्रैल से जून में इसमें आए उतार चढ़ाव कोई सकारात्मक अर्थ निकालने से हमें रोकते हैं। इन तीन महीने में खुदरा महंगाई दर दो बार ऊंची हुई है जबकि थोक महंगाई दर लगातार नकारात्मक है।

नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद सालाना महंगाई दर केवल तीन अलग-अलग वर्षों 2014, 2020 और 2022 में 6 फीसदी से ऊपर रही थी जबकि 2021 में पांच फीसदी से ज्यादा रही थी। बाकी वर्षों में यह दर पांच फीसदी से कम रही है। इसके बावजूद महंगाई की मार अगर कम नहीं हो सकी तो इसकी वजह यही है कि महंगाई के मुकाबले आमदनी में बढ़ोतरी नहीं हुई। रोजगार कम हुए। जो लोग रोजगार में थे उनकी नौकरी छूटी।

बीते 6 महीने में महंगाई दर

जून 2023	4.81
मई 2023	4.25
अप्रैल 2023	4.70
मार्च 2023	5.66
फरवरी 2023	6.44
जनवरी 2023	6.52

(% में)

सबसे महंगे राज्यों में उत्तर प्रदेश भी

देश में भले ही महंगाई दर जून के महीने में 4.8 प्रतिशत हो लेकिन सबसे ज्यादा महंगाई वाले राज्यों पर नज़र डालें तो उनमें बिहार, हरियाणा, मेघालय और त्रिपुरा हैं जहां 6% से ज्यादा महंगाई दर है। मगर, 3 से 6 फीसदी के बीच महंगाई दर वाले राज्यों में यूपी टॉप पर है। उत्तर प्रदेश में 5.21% है जो राष्ट्रीय औसत 4.8% से 0.41% ज्यादा है। उत्तराखण्ड में महंगाई दर 5.75% है।

महंगाई से भागती सरकार

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया भर में महंगाई है और इस आधार पर अनेक लोग मंदी की आहट सुन रहे हैं। महंगाई से मांग गिरती है, मांग से उत्पादन गिरता है, उत्पादन गिरने से बेरोजगारी बढ़ती है, बेकारी को शक्ति चौपट करती है और अर्थव्यवस्था को मंदी दबोच लेती है।

सरकारी दखल के बावजूद रिजर्व बैंक कोशिश कर रहा है। बैंक दरों में बार-बार की बढ़ोतरी करके वह मुद्रा की आपूर्ति घटाते हुए कीमतों पर अंकुश की कोशिश कर रहा है। बार-बार इसलिए कि एक बार की प्रतिक्रिया देखकर ही दूसरा कदम उठाना चाहता है। उत्पादन के हिसाब से हमारे यहां खेती के उत्पादन से लेकर सेवा क्षेत्र और करखनिया उत्पादन तक की स्थिति मोटा-मोटी ठीक है। लेकिन आर्थिक/वित्तीय फैसलों की जगह राजनैतिक अर्थात वोट के मसलों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले फैसले हमारी स्थिति भी बिगाड़ रहे हैं।

अमेरिका और यूरोप के बदलाव तो हमें और भी प्रभावित करते हैं। अमेरिका बड़े देशों में हमारा व्यापार का सबसे बड़ा भागीदार है।

और ऐसा भागीदार है जिसको हम निर्यात ज्यादा करते हैं। लेकिन हाल के समय में हमारा निर्यात गिरने लगा है। मुद्रास्फीति के चलते हमारे सामान की मांग काम हो गई है। दूसरी ओर खेती के अनाज से भरे गोदाम का कुछ हिस्सा मुनाफे वाली दर से बेचने का अवसर आया तो सरकार ने चावल-गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी। बाद में चीनी को भी इस सूची में शामिल किया गया। अब चावल के निर्यात पर भी बंदिश की तैयारी है-कुछ खास किस्म पर रोक पहले से है।

आज भी गरीबी सबसे बड़ा मुद्दा है और कोढ़ में खाज की तरह लगातार बढ़ती महंगाई गरीबों के साथ ही आम लोगों का जीवन नरक बना रही है। रोजगार और कामकाज का अभाव ऐसे परिवारों में आमदनी आने नहीं देता और उनकी तरफ से मांग न होने से भी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ी है। सरकारी दखल सिर्फ चुनाव की चिंता से है, समस्या निपटाने या लोगों को राहत देने के लिए नहीं।

सरकार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढते जा रहे हैं और यह निगरानी भूल जाती है कि कीमत किसानों को मिल रही है या नहीं। अभी भी खुले बाजार में कई अनाज समर्थन मूल्य से नीचे दर पर बिक रहे हैं। दूसरी ओर अपने 'लाभार्थी' तैयार करने के लिए और पेट्रोल में मिलाने के लिए इथनाल के लिए सरकार अपने गोदाम से अनाज देती है लेकिन कर्नाटक और बंगाल सरकार को कीमत देने पर भी अनाज नहीं दे रही है। निर्यात पर दनादन बंदिशें लगाने से कृषि में विकास की संभावना बंद होती है तो हों सरकार को महंगाई का गुस्सा नहीं झेलना पड़ता।

सेंटर फार मानिटरिंग आफ इंडियन इकानामी की नवीनतम रिपोर्ट बताती है कि कुछ महीने मंद रहने के बाद महंगाई फिर तेज हों गई है-जाहिर है इस गिनती में अभी तक टमाटर और सब्जियों की महंगाई के असर को नहीं गिना गया होगा। सरकार ने तो अपनी तरफ से आंकड़े जुटाने और जारी करने का काम रोक ही दिया है। यह बताना जरूरी है कि ऐसी स्थिति में तो सरकारें गिर जाती हैं पर अपने यहां मोदी जी का 'जादू' इससे प्रभावित नहीं होता।

ब्रिटेन में ऋषि सुनक अगर दुबारा अपने अनुदार दल के सांसदों का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं तो इसलिए कि उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर कभी झूठ का सहारा नहीं लिया जबकि बिगड़ती हालात में वे बोरिस जानसन सरकार के वित्त मंत्री थे। बोरिस जानसन की विदाई अपने कुछ साथियों के आचरण से ज्यादा झूठ पकड़े जाने और बिगड़ते आर्थिक हालात के चलते हुई। महंगाई वैसे ही बहुत ज्वलनशील पदार्थ है। उसमें झूठ का तड़का लग जाए तो उसमें जाने कौन न जल जाए।

आज भी गरीबी सबसे बड़ा मुद्दा है और कोढ़ में खाज की तरह लगातार बढ़ती महंगाई गरीबों के साथ ही आम लोगों का जीवन नरक बना रही है

सरकार चुनाव से डरे और वह महंगाई के सवाल पर चौकस रहे यह अच्छी बात है। लेकिन अपने यहां की यह चौकसी भी राजनैतिक लगती है क्योंकि स्वायत्त रिजर्व बैंक भी सरकार की इच्छा के अनुसार ही चलता दिखता है। लेकिन उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि सरकार महंगाई से लड़ने की जगह महंगाई के आंकड़ों से लड़ती नजर आती है। उसने विश्वसनीय आंकड़े जुटाने का काम तो काफी हद तक ठप ही कर दिया

है और जिस तरह से आंकड़े जुटाए और बताए जाते हैं उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। 2017-18 में आखिरी उपभोग सर्वेक्षण हुआ था तो उसके सारे आंकड़ों को सरकार ने ही रोक लगा दी थी।

यही कारण है कि अभी भी आईएमएफ और विश्व बैंक समेत सारे अध्ययन उससे पहले हुए 2011-12 के उपभोग सर्वेक्षण को ही आधार बनाते हैं। बाद में 17-18 वाले सर्वेक्षण के लीक हुए आंकड़ों से जाहिर हुआ कि गरीबों का अनुपात 2011-12 के 31 फीसदी से बढकर 2017-18 में 35 फीसदी हो गया है अर्थात गरीबों की संख्या में 5.2 करोड़ की वृद्धि हो गई है। बल्कि पेरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के उपभोग के आंकडों को आधार बनाकर संतोष मल्होत्रा और ययाति परिदा ने निष्कर्ष निकाला था कि गरीबों की संख्या में 7.8 करोड़ की वृद्धि हो गई थी।

आंकड़ों का यह खेल यह काम मूलत: चुनाव को ध्यान में रखकर किया जाता है लेकिन नुकसान अर्थव्यवस्था और देश को होता है। जब भरोसे लायक आंकड़े मिलेंगे नहीं तो गलती और गड़बड़ी के उपचार के सही कदम उठाने मुश्किल होंगे। फिर हड़बड़ी में चावल-गेहूं का निर्यात रोकने जैसे कदम उठाए जाएंगे। और जो जानकारियां रिसकर आ रही हैं वे बताती हैं कि महंगाई बेहिसाब बढ़ी है। इकोनामिक टाइम्स का अनुमान है कि जनवरी से अब तक जरूरी उपभोग की चीजों की कीमतों में औसत 22 फीसदी अर्थात लगभग चौथाई की वृद्धि हो चुकी है। सीएमआई के आंकड़े अगर इतनी वृद्धि नहीं दिखाते तो उसका एक कारण पिछले साल का ऊंचा बेस होना है। और जब गणना ऊंचे आधार से हों तो अच्छा तरीका कि पिछले हिसाब को भी जोड़कर दो साल का आंकड़ा बताया जाए।

लेकिन रोजगार का हिसाब इतना टेढ़ा नहीं है और प्रधानमंत्री एक बार फिर कुछ हजार बेकार लोगों को रोजगार देकर अपना सीना ठोकने वाले हैं तो उससे रोजगार का सवाल छुपने वाला नहीं है। देश में, और खासकर ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी इतनी ज्यादा है कि उसमें हर साल दो करोड़ रोजगार का वायदा तो आपको चुनाव जितवा सकता है लेकिन कुछ हजार रोजगार आपकी जान नहीं बचा सकता। खासतौर से तब जब आपने खुद लाखों रोजगार खत्म किए हैं और सब कुछ निजी हाथों सौंपते जा रहे हैं।

कमरतोड़ महंगाई इस बार चुनावी मुद्दा जरूर बननी चाहिए क्योंकि अब जनता की कमर टूट चुकी है, उनकी थाली हल्की और स्वादहीन होती जा रही है। जेब हल्की हो रही है, सो अलग

सवाल कोई पूछ नहीं सकता तब भी आपका अपराधबोध बेकारों को पकौड़े बनाने की सलाह देने को मजबूर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों भी 71 हजार लोगों को नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके नियुक्ति पत्र पकड़ाया। शुरू में लगा कि इस काम का प्रचार भी उसी तरह होगा जैसा कि आम तौर पर प्रधानमंत्री के कामों का हुआ करता है। लेकिन बात बहुत जल्दी शांत पड़ गई क्योंकि मोदी जी और उनके प्रचारकों को भी मालूम है कि इतने बड़े और बेरोजगारों से भरे देश में 71 हजार नौकरियों की क्या बिसात है। और अगर बात बढ़ती तो मोदी जी को बहुत सारे जवाब देने होते क्योंकि 2014 चुनाव में ही उन्होंने महंगाई को काबू में करने, काला धन लाने और करोड़ों को रोजगार देने की वायदा किया था।

जाहिर है, कमरतोड़ महंगाई इस बार चुनावी मुद्दा जरूर बननी चाहिए क्योंकि अब जनता की कमर टूट चुकी है, उनकी थाली हल्की और स्वादहीन होती जा रही है। जेब हल्की हो रही है, सो अलग। जिस तरह इस बार महंगाई पर जोर-शोर से बहस हो रही है, मोदी सरकार की मुश्किलें बढ़ी हैं। शायद यही वजह है कि मोदी सरकार फिर महंगाई से ध्यान हटाने के लिए दूसरे मुद्दे तलाश करने में जुटी है मगर अब लगता है कि जनता भी मोदी सरकार से हिसाब-किताब लेकर ही मानेगी। भाजपा के 9 साल के वायदों को कसौटी पर कसने का यह मौका भी है और दस्तूर भी।

रसोई गैस से लेकर सब्जियों के बढ़ते दाम, आटा-दाल चावल का भाव बताने लगे हैं। आमजन के बीच अब यह कुतर्क भी नहीं चल पा रहा है कि अमुक चीज महंगी हो गई है तो दूसरे का इस्तेमाल किया जाए क्योंकि जिधर या जिस चीज की ओर नजर डाली जा रही है, महंगाई मुंह बाए खड़ी मिल रही है। यही वजह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर जनता के सवालों का जवाब देना ही होगा।

भाजपा राज में महंगाई का डाका

बुलेटिन ब्यूरो

कमरतोड़ महंगाई के खिलाफ लगातार आवाज बुलंद कर रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में महंगाई आसमान छू रही है। वसूली और लूट के चलते जनता की जेब पर महंगाई का डाका पड़ रहा है। टमाटर हो या अदरक, परवल, शिमला मिर्च, हरी मिर्च हो या मशरूम सभी के दाम आसमान छूने लगे हैं। यही नहीं अरहर, चना की दाल और आटा चावल भी महंगा हो गया है। गरीब की थाली अब खाली है।

श्री यादव लगातार कह रहे हैं कि महंगाई की चक्की में जनता पिस रही है और भाजपा सरकार कभी काशी, कभी गोरखपुर या अयोध्या में बड़े-बड़े बयानो की सौगात बांटने के साथ नए-नए जश्न मनाने में मगन है। टमाटर 100 से 150 रूपये, परवल 100 से 120, लहसुन 200 रूपए में बिक रहा है। कोई सब्जी बाजार में 40 रूपए किलो से कम नहीं मिल रही है। अरहर, चना की दाल के दाम 12 फीसदी बढ़े हैं तो गेहूं का आटा की कीमत 9 फीसदी बढ़ गई। चावल के दाम भी 12 प्रतिशत बढ़ गए हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बढ़ती महंगाई के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। जब से भाजपा सत्ता में आई है, महंगाई आसमान छू रही है। आम जनता महंगाई से त्रस्त और परेशान है। भाजपा सरकार को गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कोई चिंता नहीं है। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने जनता के घरेलू बजट को बिगाड़ दिया है। खाने पीने की चीजों के अलावा दूध के दाम भी बढ़ गए हैं। बसों का किराया बढ़ा दिया गया। पढ़ाई-लिखाई महंगी हो गयी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दरअसल भाजपा सरकार महंगाई पर काबू पाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। डबल इंजन सरकार ने जनसामान्य को महंगाई की आग में जलाने और पूंजीघरानों की झोली भरने का काम किया है। ये बड़े पूंजीघराने ही चुनाव में भाजपा के मददगार रहते हैं। अपने लाभ के लिए भाजपा बढ़े बैंक घाटे, कर्ज लेकर भाग रहे उद्योगपतियों के मामले में जरा भी चिंतित नहीं है। जनता भुगत रही है, भाजपा सरकार मस्त है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी मानती है कि महंगाई से मुक्ति पाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी हो गया है। दाम बांधो नीति का जो नारा डॉ राममनोहर लोहिया जी ने दिया था उसे समाजवादी ही पूरा कर सकते हैं। समाजवादी, व्यवस्था परिवर्तन के हामी है जिसमें गरीबों, वंचितों को विशेष अवसर दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि भाजपाराज में लगातार बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के चलते लोग कर्ज में डूबते जा रहे हैं। प्रत्येक गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के जीवनशैली का स्तर गिरता जा रहा है। घरेलू बजट बिगड़ने से कुपोषण बढ़ रहा है। भुखमरी और बेरोजगारी से लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। समाज का हर वर्ग खुशहाली के लिए भाजपा सरकार को 2024 में हटाना चाहता है।

अखिलेश जी के जन्मदिन पर लोक कल्याण का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का जन्मदिन उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में कार्यकर्ताओं-नेताओं ने लोक कल्याण दिवस के रूप में मनाया। कार्यकर्ताओं ने जिलों में इस अवसर पर रक्तदान, मरीजों में फल वितरण किया। स्वत: स्फूर्त तरीके से कार्यकर्ताओं द्वारा मनाए गए जन्मदिन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जो रास्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, डॉ राममनोहर लोहिया और नेताजी ने दिखाया है, उसपर चलते हुए समाजवादियों ने समय-समय पर संघर्ष किया है। समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का जो काम किया है, आज हम सब संकल्प लेते हैं कि उन कामों को पूरा करना है। यह भी संकल्प लेते हैं कि देश में समाजवादी व्यवस्था लागू करेंगे ताकि गरीब, किसान, नौजवान सभी खुशहाल हों। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर एक जुलाई को कार्यक्रम आयोजित किए गए। देश के दूसरे राज्यों में भी समाजवादी पार्टी के

नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर केक काटा और फल वितरण के साथ लोक कल्याण के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार देने का संकल्प लिया। श्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर प्रदेश के अनेक जिलों में पौधारोपण, मिष्ठान्न वितरण के साथ गरीबों को अन्नदान, भोजन वितरण के अलावा हवन-पूजन, भण्डारा का आयोजन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के दीर्घायु व स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की गई।

राज्य मुख्यालय पर श्री अखिलेश यादव को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, मूर्तियों के उपहार भेंट करने वालों का तांता लगा रहा।

श्री अखिलेश यादव के 50वें जन्मदिन पर समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने 50 हजार पौधा रोपने का संकल्प लिया। उत्तराखंड में श्री अखिलेश यादव के 50वें जन्मदिन पर जिला अस्पताल, हरिद्वार में मरीजों में फल एवं जूस का वितरण किया गया।

अखिलेश जी का बढ़ रहा है दायरा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का राजनीतिक कद बढ़ता जा रहा है और राष्ट्रीय राजनीति के क्षितिज पर उनकी अलग पहचान बनी है। राष्ट्रीय राजनीति में श्री अखिलेश यादव एक भरोसेमंद राजनेता के तौर पर स्थापित हो चुके हैं।

यही वजह है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जिस राज्य का दौरा कर रहे हैं, वहां उनका जबरदस्त तरीके से स्वागत किया जा रहा है। इन दौरों से समाजवादी पार्टी के संगठन को मजबूती मिली है और वह तकरीबन सभी राज्यों में पैठ बनाने लगी है। जाहिर है, ये दौरे आने वाले दिनों में अन्य राज्यों में भी समाजवादी पार्टी की मजबूती की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 21 जून को दो दिवसीय केरल यात्रा पर पहुंचे तो वहां के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। बेहतरीन समाजवादी सरकार चला चुके और विकास के लिए स्पष्ट विजन की वजह से उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह स्थानीय लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने रहे। कोच्चि पहुंचते ही समाजवादी पार्टी के केरल इकाई के अध्यक्ष डॉ साजी पोथेन थॉमस ने साथियों के साथ उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव जॉय एंटोनी के एक कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

कोच्चि में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव

से द एडम बहुभाषी इंटरनेट पोर्टल के चेयरमैन और मैनेजिंग एडिटर वेंकटेश रामकृष्णन ने मुलाकात की। द एडम बहुभाषी इंटरनेट पोर्टल है जिसके अंग्रेजी, हिन्दी, मलयालम और तमिल में कार्यक्रम हैं। श्री अखिलेश यादव की कोच्चि में 1503 में निर्मित सेंट फ्रांसिस चर्च की यात्रा कई मायनों में महत्वपूर्ण रही। इतिहास बताता है कि यूरोप से भारत तक के ऐतिहासिक समुद्री मार्ग की खोज करने वाले वास्को डी गामा पहले व्यक्ति थे जो 1498ई में कोझिकोड के पास उतरे थे। उन्हें सेंट फ्रांसिस चर्च के अंदर 1524ई में दफनाया गया था। चर्च के पादरी पीटर ने श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया और उन्हें चर्च के इतिहास की जानकारी दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की स्पष्टवादिता, मृदुभाषिता और पार्टी की नीति पर डटे रहने की वजह से राष्ट्रीय स्तर के दूसरे दलों के राजनेता भी उनसे प्रभावित हैं। इसके तमाम उदाहरण बीते कुछ माह से देखने को मिले हैं जिसमें दूसरे दलों के राजनेता श्री अखिलेश यादव से गर्मजोशी से मुलाकात करने में आगे रहे।

28 जून को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला ने लखनऊ पहुंचकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने परस्पर मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की और भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए विपक्षी एकता की संभावनाओं पर भी विचार विमर्श किया। यहां श्री बाघेला ने दृढ़ता से कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ही चुनौती देगी।

3 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव अपने दौरे पर तेलंगाना पहुंचे तो वहां के मुख्यमंत्री केसीआर ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। भाजपा को हराने के स्पष्ट लक्ष्य के लिए यह मुलाकात एकजुटता को दर्शाती है। दोनों नेताओं ने देश की मौजूदा राजनीति, भविष्य की रणनीति आदि पर गहन विचार-विमर्श किया। तेलंगाना में श्री अखिलेश यादव का अवाम ने भी भव्य स्वागत किया।

10 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई पहुंचे। जहां उनका भव्य तरीके से स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आसिम ने उनका इस्तेकबाल किया। श्री यादव का स्वागत करने के लिए नौजवानों का हुजूम उमड़ पड़ा था। जगह-जगह उनका भव्य स्वागत उनकी लोकप्रियता की गवाही दे रहा था। जिधर से

श्री अखिलेश यादव का कारवां गुजर रहा था, उनकी झलक पाने के लिए लोगबाग उमड़ पड़ रहे थे।

इससे पहले श्री अखिलेश यादव का मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, बिहार व कर्नाटक आदि राज्यों के दौरों में भी ही गर्मजोशी से स्वागत यह बता रहा है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की मेहनत से आने वाले दिनों में सपा राष्ट्रीय राजनीति में बुलंदी छूने वाली है।

दक्षिण भारत में भी बेहद लोकप्रिय हैं अखिलेश

राजेन्द्र चौधरी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को कर्नाटक से विशेष लगाव है। वहां जाना उन्हें हमेशा अच्छा लगता है। उनकी अपनी जिंदगी के कई महत्वपूर्ण प्रसंग यहां से जुड़े हैं। विपक्षी एकता के लिए बंगलुरु में हुई 17-18 जुलाई की साझा बैठक के बाद श्री अखिलेश यादव, राजेन्द्र चौधरी के साथ मैसूर यात्रा पर निकल पड़े। 18-19 जुलाई को मैसूर की यात्रा पर रहे। उनके कर्नाटक से जुड़ाव का एक कारण उनका वहां छात्र जीवन बिताना भी है।

यहां के प्रसिद्ध श्री सुत्तूर मठ ने शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य एवं अध्यात्म के क्षेत्र में कई संस्थान स्थापित किए हैं। इतिहास गवाह है कि सुत्तूर श्रीक्षेत्र के वीर सिंहासन

महासंस्थान की स्थापना ईसा दसवीं सदी के चोल वंश के शासनकाल में हुई थी। जगदगुरू श्री शिवरात्रीश्वर शिवयोगी महास्वामी इस महासंस्थान के संस्थापक माने जाते हैं। यह मठ एक आंदोलन है जोकि सामाजिक तथा आर्थिक न्याय को बढ़ावा देने वाला है। कर्नाटक के भीतर बाहर ही नहीं कई अन्य देशों में भी इसके क्रियाकलाप संचालित होते हैं।

वर्तमान में मठ के 2 4 वें पीठाधीश्वर परमपूज्य जगतगुरू श्रीश्री शिवरात्रि देशिकेन्द्र महास्वामी जी हैं। यहां की जेएसएस साइंस एवं टेक्नालाजी यूनीवर्सिटी से श्री अखिलेश यादव ने पर्यावरण इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। मठ द्वारा संचालित विभिन्न संस्थानों में एक लाख से ज्यादा छात्र व 15 हजार से ज्यादा स्टाफ है। कर्नाटक में केला और मक्का की खूब खेती होती है परन्तु केला छोटा होता है। यहां मैसूर पैलेस, चामुंडी हिल्स भी प्रसिद्ध है। बंगलुरू से मैसूर के रास्ते में रामनगर गांव पड़ता है जिसे फिल्म 'शोले' में रामगढ़ दर्शाया गया है। रास्ते में पामवृक्ष की कतारे हैं। पहाड़ी टीले हैं। यहां मौसम बदलता रहता है। कई बार बारिश होती रही। यहां की मिट्टी लाल हैं। रास्ते में तालाब भी हैं।

मंडीया में होटल अमरावती में काफी पीने के लिए हम रुके। यहां तमाम कन्नड़ भाषी नागरिक अखिलेश जी के स्वागत में इंतजार करते मिले। यहां गन्ना किसान बहुत सम्पन्न हैं। मैसूर के 40 किमी पहले और बंगलुरु से 90 किमी के बीच गांवों में खपरैल के मकान दिखाई पड़ते हैं।

मैसूर पहुंचने पर कर्नाटक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष मंजप्पा ने साथियों के साथ श्री अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत करने के बाद गणपति का चित्र भेंट किया। बंगलुरु, मैसूर, कुर्ग तक की हाई-वे यात्रा में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की याद बरबस आ गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तुलना किसी हाई-वे से नहीं की जा सकती है। इतना शानदार हाई-वे कहीं और नहीं बना है।

मैसूर यात्रा में कुर्ग जाने की श्री अखिलेश जी की बहुत इच्छा थी। कुर्ग में देश के महान सेनापति रहे जनरल करियप्पा और जनरल थिमैया का निवास स्थान है। अखिलेश जी खुद मिलिट्री स्कूल के पास आउट हैं। नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव देश के रक्षा मंत्री थे। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण बंगलुरु से लगभग 400 किमी दूर मैसूर होते हुए कुर्ग गए।

अखिलेश जी वहां की धरती के प्रति श्रद्धाभाव रखते हैं। जनरल करियप्पा स्वतंत्र भारत के प्रथम कमाण्डर इन चीफ थे। जनरल थिमैया देश के चौथे जनरल थे। वे मडिकेरी-कुर्ग में रहते थे। सूबेदार मेजर

थिमैया ने हमें सेनाध्यक्षों का संग्रहालय दिखाया। यहां मेडिकेरी कुर्ग में उनकी स्मृति में वार मेमोरियल बना है जिसका फरवरी 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उद्घाटन किया था। जनरल थिमैया ने 1962 में चीन युद्ध के साथ संघर्ष में नेतृत्व किया था। उन्हें भारतीय सेना में कमांडर नियुक्त किया गया था। 18 दिसम्बर 1965 में साइप्रस में उनकी मृत्यु हुई।

कुर्ग में जब तब बारिश होती रहती है। यहां अखिलेश जी के प्रवास के दौरान रातभर बारिश होती रही। प्रातः घाटी में दूर-दूर तक धुंध दिखती थी। यहां हजारों एकड़ में काफी बागान हैं।

कुर्ग में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मेरे पास कोई गर्म कपड़ा नहीं था। अखिलेश जी के पास एक गर्म शाल थी जो वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री सिद्धरमैय्या को भेंट करना चाहते थे पर किसी कारणवश वह भेंट नहीं कर सके। ऐसे में अखिलेश जी ने वह गर्म शाल मुझें मुहैया कराई तब शरीर में कुछ गर्मी आई। अखिलेश जी ने बताया कि मैसूर में जब वह पढ़ते थे, तब बंगलूरू से मैसूर रोडवेज परिवहन की बस पकड़कर आते-जाते थे। मैसूर में उनका एक पसंदीदा रेस्टोरेंट है जहां वह अक्सर डोसा खाने आते थे।

मैसूर पैलेस शानदार वास्तु के लिए जाना जाता है। यह ऐतिहासिक महल वाडियार राजवंश का निवास था। यह महल मैसूर के केन्द्र में है और पूर्व की ओर चामुंडी पहाड़ियां है। यह महल 1897 और 1912 के बीच निर्मित हुआ। यहां प्रतिवर्ष 6 मिलियन से अधिक पर्यटक आते हैं।

बंगलुरु से मैसूर कुर्ग तक पांच घंटे के रास्ते में श्री अखिलेश जी डॉ राममनोहर लोहिया की सप्तक्रान्ति एवं समाजवाद, जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति, बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की सामाजिक न्याय की अवधारणा तथा चौधरी चरण सिंह जी की आर्थिक नीतियों पर राजेन्द्र चौधरी से विस्तृत चर्चा करते रहे।

(लेखक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और पूर्व कैबिनेट मंत्री हैं)

अवध में अखिलेश का भव्य अभिनंदन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पिछले दिनों अवध क्षेत्र के बाराबंकी और अयोध्या ज़िलों का दौरा किया। श्री यादव के अवध के इन दो जिलों में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे को लेकर उत्साहित कार्यकर्ता व आमजन जिसमें बच्चे-बुजुर्ग व महिलाएं भी शामिल थीं, स्वागत के लिए घंटों इंतजार करते रहे। जगह-जगह राष्ट्रीय अध्यक्ष को फूल मालाओं से लादकर उनका स्वागत हुआ। श्री अखिलेश यादव को बुजुर्गों से आशीर्वाद मिला तो नौजवानों ने उनके साथ संघर्ष करने का वायदा किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने इस दौरे में सामाजिक सरोकारों को भरपूर समय दिया। अयोध्या के अंगूरीबाग में बालयोगी स्वामी रामदास महाराज ने श्री अखिलेश यादव को पुष्प माला पहनाई और विजयी भव: का का आशीर्वाद दिया।

अयोध्या के दौरे पर 4 जुलाई को पहुंचे श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ से अयोध्या के बीच सड़कों की दुर्दशा पर दुःख व चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे

प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है इसीलिए जो भी मुल्क शिक्षा के क्षेत्र में आगे गए वही हर क्षेत्र में आगे हैं। हमारी मिली जुली संस्कृति हमारी एकता की ताकत है। श्री यादव ने आशा जताई कि देश की तरक्की में एलपीएस में पढ़े बच्चों की भूमिका रहेगी। यहां के बच्चों का भविष्य अच्छा होगा। इसकी तैयारी में शिक्षा संस्थान का योगदान प्रशंसनीय है।

एलपीएस के महाप्रबंधक पूर्व एमएलसी एस.पी. सिंह तथा पूर्व एमएलसी कांती सिंह ने उद्घाटन के अवसर पर श्री अखिलेश यादव का स्वागत किया।

श्री अखिलेश यादव के बाराबंकी आते-जाते हुए रास्ते में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत हुआ। स्वागत करने वालों में समाजवादी पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के अलावा आमजन भी शामिल रहे। आमजन की गर्मजोशी देखकर कार्यकर्ताओं के हौसले भी बुलंद हुए।

श्री यादव के एलपीएस स्कूल के कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह गोप, पूर्व कैबिनेट मंत्री अवधेश प्रसाद, राकेश वर्मा, सुरेश यादव, राजेश यादव पूर्व एमएलसी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बाराबंकी दौर पर पहुंचे श्री अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री राकेश वर्मा, सुरेश यादव विधायक,, फराजउद्दीन किदवई के आवास पर भी जाकर मुलाकात की। श्री किदवई के आवास पर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली भी उनके साथ मौजूद रहे। बाराबंकी की प्रसिद्ध बिंद्रा स्वीट हाउस पर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत किया गया।

बड़ी भूमाफिया पार्टी है। सत्ता में आने के बाद से ही भाजपा ने जमीनों पर कब्जा करने का काम किया है। उन्होंने नौजवानों-बुजुर्गों व महिलाओं से कहा कि देश के सामने संकट है। इस संकट से देश को उबारना है इसलिए भाजपा को हटाना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने दैनिक जनमोर्चा के संपादक स्वर्गीय शीतला सिंह के मकबरा स्थित आवास पर जाकर उनके परिवारीजनों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा शीतला सिंह जी अपनी निष्पक्ष, बेबाक पत्रकारिता के लिए हमेशा याद रखे जाएंगे। श्री अखिलेश, पूर्व जिलाध्यक्ष जयशंकर पाण्डेय के आवास पर भी गए जिनकी पत्नी का निधन पिछले दिनों हुआ था। उन्होंने श्री पाण्डेय को धैर्य बंधाया। श्री यादव ने अयोध्या के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय गंगा सिंह यादव के आवास पर जाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अयोध्या में ही हल्ला हसनू कटरा जाकर जी फिरोज खां बब्बर की होनहार बेटी निस्कतनूर को लैपटॉप दिया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इससे पहले एक जुलाई को लखनऊ पब्लिक स्कूल की असेनी मोड, बाराबंकी शाखा का उद्घाटन किया। श्री यादव ने उमराई सिंह मेमोरियल ऑडिटोरियम, स्विमिंग पूल का उद्घाटन तथा पारिजात का पौधा रोपने के बाद गरीबों में वस्त्र बांटे।

श्री अखिलेश यादव ने यहां संबोधन में बच्चों को गुणवत्ता परक शिक्षा देने के लिए लखनऊ पब्लिक स्कूल (एलपीएस) के

पीडीए का मुकाबला नहीं कर पाएगा एनडीए -अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना की मांग कर रही समाजवादी पार्टी की हिमायत में कमेरा चेतना फाउंडेशन ने जातीय जनगणना की जरूरत विषय पर एक वृहद संगोष्ठी आयोजित की। डा सोनलाल पटेल की 74वीं जयंती 2 जुलाई के अवसर पर सपा के राज्य मुख्यालय लखनऊ में डा राममनोहर लोहिया सभागार में हुई इस संगोष्ठी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाई झूठे नारों से गुमराह करते हैं। सबका साथ से सबका विकास नहीं हो सकता है। जब तक सभी जातियों की गणना नहीं होगी तब तक उनकी भागीदारी कैसे तय होगी? उन्होंने कहा कि पीडीए यानि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों की एकता के आगे एनडीए मुकाबला नहीं कर सकता। समाजवादियों के आगे भाजपाई नहीं टिक पाएंगे। व्यवस्था परिवर्तन के लिए सत्ता के कब्जाधारियों को हटाया जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने डॉ सोने लाल पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि कन्नौज सोने लाल जी की जन्मस्थली और मेरी कर्मस्थली है। यह रिश्ता भावनात्मक है। उन्होंने कहा कि डा पटेल ने दलितों,

पिछड़ों, कमेरा समाज के लिए संघर्ष किया था। उनके रास्ते पर चलकर और हक तथा सम्मान के लिए संकल्प लेकर हम उनके सपने को पूरा करेंगे।

श्री यादव ने कहा कि भाजपाराज में निवेश सम्बंधी जो एमओयू हुए थे वे जमीन पर नहीं उतरे हैं। आंकड़े बताते हैं कि जहां समाजवादी सरकार में औसत वार्षिकी ग्रोथ रेट 6.2 प्रतिशत आंकी गई वहीं भाजपा सरकार में यह 3.2 प्रतिशत पर टिक गई।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में न तो नए उद्योग धंधे लगे हैं और नहीं गरीब के घर पर खुशहाली आई है। मैन्यूफैक्चरिंग के बस सपने ही दिखाए गए हैं। भाजपा सरकार के पास बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जवाब नहीं है इसलिए वह सामान नागरिक संहिता की बात कर रही हैं। भाजपा किसानों की आय दुगनी करने के बजाय किसानों की और समस्याएं बढ़ा रही है। किसानों की बुनियादी समस्याओं पर चर्चा नहीं हो रही है। आलू और धान किसान बर्बाद हो गया। भाजपा सरकार ने गेहूं की सरकारी खरीद न करके प्राइवेट कम्पनियों को खरीदवा दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्तालोभी है। वह पिछड़ों, दलितो, अल्पसंख्यकों का हक छीनकर सत्ता में काबिज रहना चाहती है। भाजपा देश को पीछे ले जा रही है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी समान नागरिक संहिता के खिलाफ है।

अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल ने कहा कि डॉ सोने लाल पटेल ने जीवनपर्यंत वंचितों, पिछड़ों, कमजोर वर्गों की लड़ाई लड़ी। आज डॉ राममनोहर लोहिया, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा और सामाजिक न्याय की लड़ाई की कमान श्री अखिलेश यादव के हाथ में है। हम सभी को विश्वास है वह इस लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों को न्याय और अधिकार दिलाने के लिए जातीय जनगणना जरूरी है।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद डॉ उदय प्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक काम कर रही है। भाजपा ने धर्म की राजनीति और पूंजीवाद का जो गठबंधन बनाया है वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। भाजपा सरकार ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है। विपक्ष को डराने के लिए सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा आज पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों के हितों के खिलाफ काम हो रहा है। भाजपा वंचितों और कमजोरों को हक और सम्मान नहीं देना चाहती है। इसीलिए जातीय जनगणना का विरोध कर रही है। जातीय जनगणना से ही सभी वर्गों को हक और सम्मान मिल पाएगा।

जमीनी कार्यकर्ताओं से अखिलेश का सीधा संवाद

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी में लगातार जुटे हुए हैं। बूथ स्तर पर संगठन को धार देने के लिए वे जमीनी कार्यकर्ताओं से रूबरू हो रहे हैं और उन्हें संगठन को मजबूत करने के तौर तरीके बता रहे हैं। उनका एक ही संदेश है कि लोकसभा चुनाव में जनता के बल पर भाजपा को हटाना है।

वे कार्यकर्ताओं को बता रहे हैं कि भाजपा किस तरह लोकतंत्र के विरुद्ध काम करती है और मतदाताओं को भ्रमित करती है ताकि ये कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर अवाम को भाजपा की कुनीतियों से वाकिफ करा सकें।

जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कायम करने के मकसद से राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 6 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में कार्यकर्ताओं तथा पार्टी संगठन के पदाधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि

समाजवादी पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना है और इसका सरल रास्ता यह है कि समाजवादी एक दूसरे का सम्मान करें और जनता के सुख-दुःख में शामिल रहें।

उन्होंने कहा कि भाजपा की कुनीतियों से जनता को अवगत कराना जरूरी है। इसमें शिक्षक समाज और अधिवक्ता वर्ग की विशेष जिम्मेदारी है। भारत के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहना है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा राज में विकास पर कोई ध्यान नहीं है। जो काम हुए समाजवादी सरकार के समय हुए। भाजपा सरकार के छह वर्ष में बस समाजवादी कामों को अपना बताने अथवा उन्हें बर्बाद करने का काम हुआ है। बरसात होते ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे धंस गया। इससे पहले बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे भी धंस गया था। भाजपा सरकार के कामकाज की गुणवत्ता का यही नमूना है। महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय चरम पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों से पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने किसानों को उनकी फसल का एमएसपी देने का वायदा किया था, वह उन्हें क्यों नहीं मिला?

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की पूरी कोशिश है कि लोग अमन चैन से न रहें। सामाजिक सद्भाव कायम न रहे। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करना संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। भाजपा सामाजिक न्याय के भी खिलाफ है। समाजवादी पार्टी की मांग है कि जातीय जनगणना हो ताकि सबकी संख्या की जानकारी के साथ उनको हक और सम्मान मिल सके।

श्री यादव ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का जीतना आवश्यक है। लोकतंत्र को बचाने के लिए बूथ स्तर पर संघर्ष करना होगा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता के सामने भाजपा टिक नहीं सकती है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अगर पूरी ईमानदारी और निष्ठा से चुनाव में जीत के लिए लग जाए तो फिर कोई मुकाबले में नहीं होगा।

यूसीसी के विरोध को मिला अखिलेश का समर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के एक शिष्टमंडल ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लाने की भाजपा सरकार की कोशिशों का तीखा विरोध करते हुए उसे रद किए जाने की मांग का ज्ञापन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव को सौंपा। श्री अखिलेश यादव ने आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड का ज्ञापन स्वीकार करते हुए उन्हें अपने समर्थन का भरोसा दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल से श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए धर्म और धार्मिक कार्य सिर्फ राजनीति का जरिया है और वह आस्था और जनविश्वास के साथ खेलती है जबकि समाजवादी पार्टी शुरू से ही लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के लिए प्रतिबद्ध है।

16 जुलाई को ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के प्रतिनिधिमण्डल ने जिसमें सर्वश्री मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, मौलाना बिलाल हसनी नदवी, मौलाना नईमुर्रहमान, सऊद रईस एडवोकेट, मौलाना अतीक अहमद बस्तवी, मौलाना यासीन अली उस्मानी, प्रोफेसर मोहम्मद सुलेमान, श्रीमती अमीना रिजवान, मौलाना नजीब उल हसन एवं मौलाना अब्दुल लतीफ शामिल थे, ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात कर अपनी चिंताएं बताईं। उलेमाओं के प्रतिनिधिमंडल से आत्मीयता से मिलते हुए श्री अखिलेश यादव ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वह उनके साथ हैं।

मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड की ओर से समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश

यादव को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि हमारा देश एक बहुसांस्कृतिक देश है। इसमें विभिन्न रंग, वंश, भाषाएं और सभ्यता से जुड़े और विभिन्न धर्मों और आस्थाओं से सम्बंध रखने वाले लोग एक साथ मिलजुलकर रहते हैं। इस तरह यह देश विविधता में एकता की एक बेहतरीन मिसाल है।

देश के संविधान ने भी धार्मिक आजादी और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षा दी है। देश के हर नागरिक को अपने धर्म के अनुसार आस्था रखने, प्रचलन अपनाने और उस का प्रचार करने का अधिकार दिया गया। इसी के तहत अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के पर्सनल लॉज़ को विशेष सुरक्षा प्राप्त है और पारिवारिक मामलों में हर व्यक्ति को अपने धर्म के अनुसार चलने की अनुमति है।

ज्ञापन में चिंता जाहिर की गई कि केन्द्र और राज्य सरकारें अक्सर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आजादी पर हमले करने और एक विशेष धर्म और संस्कृति को सभी लोगों पर थोपने की कोशिश करती रहती है। उनका एक स्पष्ट मक़सद यह भी है कि अन्य धार्मिक इकाइयों का बहुसंख्यक संस्कृति में विलय कर लें। हालिया वर्षों में ऐसे कई कानून बनाए गए जिनसे संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि देश के संविधान में दी गई धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी और मौलिक अधिकारों की हर हाल में रक्षा की जाएगी और इसमें फेरबदल की हर कोशिश का भरपूर मुकाबला किया जाएगा। केन्द्र सरकारें और विशेष रूप से वर्तमान सरकार बार-बार यूनिफॉर्म सिविल कोड की बात करती है। यह बात न केवल बदनीयती पर आधारित है बल्कि देश के अल्पसंख्यकों और आदिवासियों को एक मौलिक अधिकार से रोकने की साजिश है। हम सरकार के इस इरादे की घोर निंदा करते हैं।

पर्सनल ला बोर्ड के ज्ञापन के अनुसार हमारी कोशिश होगी कि देश की सभी धार्मिक और सामाजिक इकाइयां देश के निर्माण एवं विकास में मिलजुलकर अपनी भूमिका निभाएं और मिलजुलकर रहें। हम सबकी कोशिश होगी कि देश में शान्ति एवं सुरक्षा और न्याय स्थापित हो और अन्याय-अत्याचार का अंत हो सके।

ईडी को अधिकार, व्यापारियों से तकरार

बुलेटिन ब्यूरो

कुछ समय पहले जीएसटी की छापेमारी से व्यापारी वर्ग को हलकान-परेशान करने वाली भाजपा सरकार ने तब समाजवादी पार्टी के दबाव के बाद छापेमारी रोक दी थी मगर अब भाजपा सरकार ने व्यापारी वर्ग को परेशान करने का नया पैंतरा अपनाया है। जीएसटी को ईडी के दायरे में करने के सरकार के निर्णय के बाद से व्यापारी वर्ग परेशान है।

व्यापारी वर्ग की परेशानी को देखते हुए समाजवादी पार्टी एक बार फिर उनके साथ खड़ी हो गई। समाजवादी व्यापारी सभा इस आदेश के खिलाफ डटकर मुकाबला करने को तैयार है और उसने पूरे प्रदेश में इस आदेश के खिलाफ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारियों को सौंपे हैं।

8 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा एक अधिसूचना जारी कर जीएसटीएन को धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत डाल दिया गया है। इसका मतलब यह है कि अब जीएसटी से जुड़े मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सीधा दखल दे सकेगी। ईडी, जीएसटी करापवंचन करने वाले फर्म, व्यापारी या संस्था के खिलाफ सीधे कार्यवाही कर सकती है, जिसके तहत सरकार या सार्वजनिक प्राधिकरण को व्यापारियों द्वारा गैर कानूनी तरीके से कमाए गए धन और संपत्ति को जब्त करने का अधिकार दिया गया है।

आदेश आते ही समाजवादी व्यापार सभा ने

सबसे पहले आगे आकर कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए पुरजोर विरोध किया। 13 जुलाई को इस आदेश के खिलाफ समाजवादी व्यापार सभा के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

इस आदेश के खिलाफ 14 जुलाई को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने प्रेस कांफ्रेंस बुलाई और कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों को प्रताड़ित कर रही है। सरकार ने जीएसटी में ईडी के दायरे में लाकर व्यापारियों को डराने और धमकाने का काम किया है। समाजवादी व्यापार सभा के नेतृत्व में व्यापारी इसके खिलाफ एकजुट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ईडी को मिले इस अधिकार से व्यापारियों का उत्पीड़न और शोषण बढ़ेगा। समाजवादी पार्टी इसे गलत मानती है।

समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने व्यापारी विरोधी काला कानून बताते हुए इसे तुरन्त वापस लिए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी इसके विरोध में एकजुट हैं। व्यापारी समाज भाजपा को लोकसभा चुनाव में सबक सिखाने का काम करेगा और सत्ता से हटा देगा। भाजपा सरकार के व्यापारी विरोधी चेहरे को उजागर करने के लिए हर जिले की हर बाजार में पोल खोलो अभियान चलाया जाएगा। श्री जायसवाल ने कहा कि जीएसटी को ईडी के अन्तर्गत लाने के फैसले से इंस्पेक्टर राज और भ्रष्टाचार बढ़ेगा जिससे हमारे भोले-भाले व्यापारी अपना व्यापार बंद करने को मजबूर हो जाएंगे। यह कानून व्यापारियों की रीढ़ की हड्डी तोड़ने वाला साबित होगा।

प्रदीप जायसवाल ने बताया कि समाजवादी व्यापार सभा से जुड़े व्यापारी और नेता पूरे प्रदेश के हर जिले में जीएसटी के नाम पर व्यापारियों के हुए उत्पीड़न, बढ़ते अपराध, लूट, पुलिस बर्बरता और महंगाई आदि मुख्य मुद्दों के खिलाफ बाजारों आदि में व्यापारी चौपालों और परिचर्चाओं का आयोजन कर भाजपा सरकार के व्यापारी विरोधी चेहरे को उजागर करेंगे और भाजपा की तानाशाही, झूठ और उत्पीड़न के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाएंगे।

श्री जायसवाल ने यह भी कहा कि व्यापारियों को कभी जीएसटी के नाम पर और कभी एसटीएफ और पुलिस के नाम पर प्रताड़ित किया जा रहा है। व्यापारियों पर सुनियोजित फर्म सत्यापन के नाम पर छापेमारी से पूरे प्रदेश के व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

भाजपा को बापू के विचारों से बैर

बुलेटिन ब्यूरो

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी-बापू की विचारधारा के प्रति भाजपा का बैर भरा नजरिया गाहे-बगाहे सामने आ ही जाता है। ऊपरी तौर पर वह महात्मा गांधी की बात तो करती है मगर भीतरखाने में

उसका एजेंडा कुछ और ही होता है। उसका यह एजेंडा उसकी नीतियों से उजागर भी हो जाता है मगर वह बापू से बैर को छोड़ने को तैयार नहीं है।

बापू से बैर का ताजा मामला वाराणसी से जुड़ा हुआ है। वाराणसी के सर्व सेवा संघ राजघाट की भूमि पर 1962 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा संस्थापित गांधी विद्या संस्थान को विधि विरुद्ध तरीके से एक सरकारी संस्था को सौंपे जाने का मामला सामने आया तो समाजवादी पार्टी ने इसका पुरजोर विरोध किया है।

असल में बताया यह जा रहा है कि जब से काशी स्टेशन को मल्टी माडल स्टेशन और खिड़किया घाट को नमो घाट में तब्दील किया गया है तभी से सर्वसेवा संघ के पूरे परिसर पर प्रशासन की नज़र थी। दिसम्बर 2020 में परिसर के एक हिस्से पर जबरन कब्जा किया गया और 15 मई 2023 को गांधी विद्या संस्थान की लाईब्रेरी का चार्ज राष्ट्रीय इंदिरा गांधी कला केन्द्र को सौंप दिया गया है जबकि कानूनन गांधी विद्या संस्थान को किसी दूसरी संस्था को सौंपा नहीं जा सकता।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने इस संस्थान के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की धमकी को अनुचित और अन्यायपूर्ण बताते हुए जोरदार तरीके से विरोध किया है।

दरअसल यह संस्थान गांधीवादी दर्शन और गतिविधियों को देश-विदेश में फैलाने के लिए बना और सर्व सेवा संघ इस काम में सक्रिय है लिहाजा यह काम भाजपा को चुभ रहा है।

चूंकि समाजवादी पार्टी की महात्मा गांधी के विचारों पर आस्था रही है इसलिए पार्टी ने सर्व सेवा संघ और गांधी विद्या संस्थान पर कब्जे की साजिश के खिलाफ खड़ी हो गई है और उसने अलोकतांत्रिक प्रयास बताते हुए कड़ी भर्त्सना की है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार द्वारा गांधी-जेपी विरासत पर कब्जा व उसको मिटाने के प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि वाराणसी में राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ के परिसर को न्यायालय के आदेश के बिना खाली कराने के विरोध में शान्तिपूर्ण धरने पर बैठे गांधीवादी कार्यकर्ताओं अखिल भारतीय सर्व सेवा संघ के अध्यक्ष श्री चंदन पाल, जेपी-गांधी विरासत बचाओं संघर्ष समिति के संयोजक श्री रामधीरज भाई, अरविन्द अंजुम एवं अफलातुन देसाई की गिरफ्तारी सरकारी तानाशाही और अन्यायपूर्ण कार्रवाई है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सन् 1962 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा राजघाट वाराणसी द्वारा संस्थापित गांधी विद्या संस्थान पर कब्जा कर इसे एक सरकारी संस्थान को सौंप देना और ध्वस्तीकरण की कार्यवाही अनुचित और अन्यायपूर्ण है। दिसम्बर 2020 में परिसर के एक हिस्से पर जबरन कब्जे के बाद लाइब्रेरी का चार्ज राष्ट्रीय इन्दिरा गांधी कला केन्द्र को सौंप दिया गया है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से चिढ़ सर्वविदित है। गांधीवादी दर्शन और जेपी के विचार से नई पीढ़ी अवगत न हो, इसके लिए भाजपा सरकार अपनी दूषित मानसिकता का प्रदर्शन कर रही है। गांधी-जेपी की विरासत पर यह सीधा हमला है।

फोटो स्रोत : गूगल

खुशियों में शामिल हुए अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

देश के सभी धर्मों-संप्रदायों का समान रूप से सम्मान करने वाले समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ईद-उल-अजहा पर मुसलमान भाइयों को तहे दिल से मुबारकबाद भी दी। श्री यादव ने ऐशबाग ईदगाह के इमाम खालिद रशीद फिरंगी साहब से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। वहां उन्होंने दूसरे अन्य लोगों को भी मुबारकबाद पेश की। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद सभी बेहद खुश हुए।

30 जून को श्री अखिलेश यादव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी के साथ श्री फिरंगी महली से मुलाकात करने पहुंचे और उन्हें ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी।

बधाई के आदान-प्रदान के दौरान विधायक रविदास मेहरोत्रा व अरमान खान, मौलाना नईमुर्रहमान साहब के अलावा सर्वश्री कामरान बेग पार्षद, देवेन्द्र सिंह यादव जीतू पार्षद, अदनान खान, फाकिर सिद्दीकी, नवीन धवन बंटी, यामीन खान, सऊद रईस, तारिक खान, सूफिया निजामी, शफात कुरैशी, शुएब सिद्दीकी एडवोकेट, फैसल खान, एजाज यूसुफ, राशिद मिनाई, बलवीर सिंह मान, आराधना सिंह सिकरवार, शब्बीर खान आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री मुलायम सिंह यादव हमेशा ही त्योहार पर ऐशबाग ईदगाह पर जाकर मुबारकबाद देते थे। श्री अखिलेश यादव ने भी इस परंपरा को कायम रखा है और यह प्रसिद्ध है कि श्री अखिलेश यादव सभी धर्मों का आदर करने वाले राजनेता हैं।

सामाजिक कार्यों के लिए हमेशा याद आएंगे जिलानी

बुलेटिन ब्यूरो

पूर्व अपर महाधिवक्ता व वकील-ए-मिल्लत के तौर पर मशहूर जफरयाब जिलानी की याद में 25 जून को लखनऊ स्थित मुमताज कालेज डालीगंज के मौलाना अली मियां नदवी हाल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस श्रद्धांजलि सभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव भी शरीक हुए और उन्होंने शिद्दत के साथ मरहूम जफरयाब जिलानी को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों लोग शामिल हुए और सभी ने पूर्व अपर महाधिवक्ता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि श्री जिलानी साहब का कद बहुत बड़ा था। जिलानी साहब समाजवादी विचारधारा के रास्ते पर चलते थे। वह हमारे परिवार के सदस्य की तरह थे। उन्होंने कहा कि जिलानी साहब सौ फीसदी भरोसेमंद इंसान थे। उनकी बहुत याद आएगी। हम लोगों ने अपने विश्वास पात्र को खो दिया है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए समाजवादी रास्ते पर चलना ही मरहूम जिलानी साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व सांसद कल्याण जैन के निधन पर शोक जताया

वरिष्ठ समाजवादी नेता व पूर्व सांसद कल्याण जैन के निधन पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गहरा दुख जताया है।

90 साल के श्री कल्याण जैन का 13 जुलाई को निधन हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने शोक संदेश में कहा कि श्री कल्याण जैन के निधन से समाजवादी आन्दोलन को भारी क्षति हुई है। वह जीवन पर्यंत समाजवादी विचारधारा के लिए संघर्षरत रहे। श्री कल्याण जैन जी 6 दशक तक मध्य प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहे। समाजवादी चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया के अनुयायी जैन जी इन्दौर से लोकसभा सदस्य और मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य और पार्षद भी रहे थे।

हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल थे मौलाना फारूकी

मशहूर आलिम-ए-दीन व मजलिस-ए-अमल के महासचिव मौलाना वली फारूकी के इंतकाल पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने गहरा दुख जाहिर करते हुए उनके आवास पर पहुंचकर परिवार को दिलासा दी और मरहूम के हक में दुआ की।

2 जुलाई को मौलाना के इंतकाल की खबर सुनकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फारूकी के लखनऊ स्थित राजाबाजार चौक आवास पर पहुंचे और मौलाना के बेटे मौलाना यासर फारूकी तथा परिवार के सदस्यों से मिलकर संवेदना जताई।

मौलाना वली फारूकी साहब को याद करते हुए श्री यादव ने कहा कि वे पूरी जिंदगी शिया-सुन्नी और हिन्दू-मुस्लिम एकता तथा मदरसों में शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए काम करते रहे।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हर कंधे पर ज़िम्मेदारी है... अब एक नई तैयारी है...!!!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हर तरफ़ टमाटर की चर्चा... लगता है अब सोशल मीडिया पर '#टमाटर' बनाएगा मेस्सी और अंडे की तस्वीरों जैसे रिकॉर्ड।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सुना है मान्यवर ने एक दिन में 35 करोड़ पौधे रोप दिये... लगता है सारे के सारे 'टमाटर' के होंगे।

ये रिकॉर्ड पौधारोपण नहीं, भ्रष्टारोपण है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Inclusive National Democratic India for All — INDIA

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

पहले तो जमाख़ोरों और कालाबाज़ारियों की जेबें भरवाकर जनता को लूट लिया, अब चले हैं सस्ते टमाटर बेचने। भाजपा की 'दिखावटी दुकान' अब और नहीं चलेगी।

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Translate Tweet

सस्ता टमाटर बेचेगी सरकार

NBT LENS

विपक्ष को काउंटर करने की तैयारी

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जिस देश-प्रदेश में स्वस्थ व्यंग्य और कटाक्ष के लिए स्थान न हो वहाँ समझ लेना चाहिए, दूसरों को डरानेवाली सत्ता, स्वयं डरी हुई है। 'मदर ऑफ़ डेमोक्रेसी' की बात इस माहौल में बेमानी जुमला लगती है। देश के प्रमुखतम संसदीय क्षेत्र में लोकतंत्र का ये हाल है तो बाकी देश में क्या होगा।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

इंडिया जिताएगा, INDIA जीतेगा!

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

कर्नाटक आना हमेशा अच्छा लगता है क्योंकि अपनी ज़िंदगी के कई Chapters यहाँ पढ़े हैं। अब यहाँ से देश का एक और Historical Chapter लिखेंगे!

History यहाँ से जुड़ी है, अब Future भी जुड़ेगा...

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सुना है भाजपा बच्चों की किताब से 'ट' से 'टमाटर' हटाने पर विचार कर रही है।

Translate Tweet

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हिंदुस्तान की तरह आम की ये बात है खास
तरह-तरह के होकर भी इन सबमें है मिठास

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मध्यप्रदेश के सीधी ज़िले में एक आदिवासी के ऊपर एक भाजपाई द्वारा जो दानवीय घृणित कृत्य किया गया है, वो सदियों से शोषित-दलित समाज पर किये जा रहे उत्पीड़न के इतिहास का एक और शर्मनाक अध्याय है। मप्र में भाजपा के 18 साल के शासन की क्या बस यही उपलब्धि है। भाजपा को अहंकार ले डूबेगा।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

जब ये है वीवीआईपी नगर का हाल, तो बाकी प्रदेश की बात करना है बेकार!

#बेहाल_गोरखपुर

Translate Tweet

एक घंटे की बारिश से शहर में जलभराव, बंद करने पड़े कई स्कूल

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

उप्र की भाजपा सरकार के अधिकारीगण पहले निवेशकों को बुलाने के लिए देश-विदेश भ्रमण के लिए गये थे, अब उनको ढूँढने के लिए जाएँगे मतलब जनता के टैक्स का पैसा फिर बाहर जाएगा लेकिन अंदर कुछ भी नहीं आयेगा। जनता कह रही है 'भाजपा के झूठे विकास का ये मॉडल' अब स्वीकार नहीं।

#बेवफ़ा_निवेशक

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

देश की सुरक्षा एक स्थायी विषय है तो सैन्यकर्मी अस्थायी कैसे हो सकते हैं।

अग्निवीर एक घातक योजना है। इसको जितनी जल्दी वापस लिया जाएगा, उतनी जल्दी ही देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

भाजपा से बस इतना आग्रह है विश्वविद्यालयों को अपनी नकारात्मक राजनीति से दूर रखें। भाजपा के लिए शिक्षा का कोई महत्व नहीं है परंतु आम व्यक्ति के सकारात्मक व्यक्तित्व-विकास और आजीविका के लिए विश्वविद्यालय किसी आराधना-स्थल से कम नहीं हैं।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अयोध्या में मटियामेट हुआ विकास। जनता को रोज़गार भले नहीं मिला लेकिन लगता है ट्रैफ़िक पुलिस की जगह चौपायों की भर्ती हो गयी है।

Translate Tweet

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

काशी में मछुआ-निषाद-कश्यप समाज के लोगों ने अपनी परम्परागत आजीविका पर भाजपा सरकार द्वारा हमला करने के विरोध में 'नाव-घेरा' बनाकर क्रूज़ का मार्ग रोका और सीधा-सीधा ये संदेश दे दिया कि अगले चुनाव में ये समुदाय भाजपा को नदी पार नहीं करने देगा।

#अस्सी_हराओ_भाजपा_हटाओ

Translate Tweet

समाजवादी पार्टी

महंगाई की मार

एक माह में दो गुनी
महंगाई की मार।
इधर उधर की झूठी बातें
लिखते हैं अखबार।

लिखते हैं अखबार कि
हम हैं रामभरोसे।
ग़म खाते हैं, क्या रोटी,
क्या इडली डोसे।

विश्व गुरु बनने का सपना
है निगाह में।
होने दो दुगुनी महंगाई
एक माह में।

— उदय प्रताप सिंह

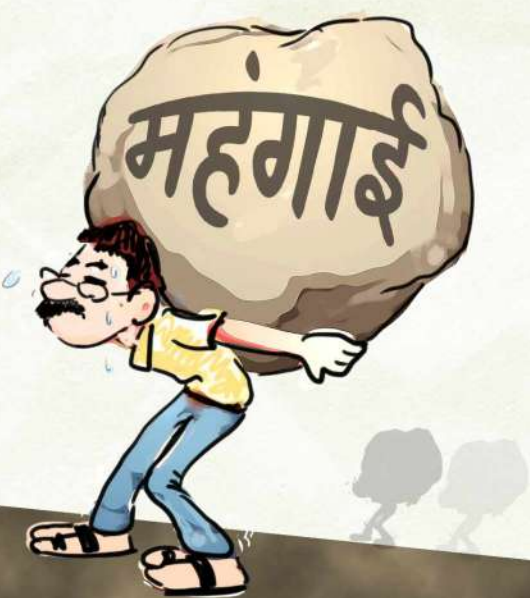

विश्व गुरु पथ